स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक का संदेश

15 अगस्त, 2024

कोल इण्डिया
Coal India

ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

सांकतोड़िया, पो०- डिसरगढ़, जिला: पश्चिम बर्द्धमान

मेरे प्यारे साथियों,

भारत के 78वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर मैं, सर्वप्रथम, सभी स्वतंत्रता सेनानियों एवं शहीदों को ईसीएल परिवार की ओर से नमन करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूँ। स्वतंत्रता संग्राम में उनके अमूल्य योगदान को संपूर्ण राष्ट्र सदैव स्मरण करता है। साथ ही, ईसीएल परिवार के प्रत्येक श्रमिक, कर्मचारी, अधिकारी एवं उनके परिजनों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए सभी के सुख-समृद्धि की कामना करता हूँ।

भारत की आर्थिक सुधार की तेजी को, बढ़ती मुद्रास्फीति, आपूर्ति श्रृंखला व्यवधान, भू-राजनीतिक तनाव आदि से चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इन कारकों ने नीति निर्माताओं के बीच चिंताएं बढ़ा दी हैं और अर्थव्यवस्था की अनुमानित वृद्धि को प्रभावित भी किया है। इन सभी के बीच हमारा देश भारत, दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की अपनी दावेदारी को लगातार मज़बूती से पेश करते हुए उभर रहा है और राष्ट्र की ऊर्जा मांग किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक बढ़ रही है। बढ़ती हुई ऊर्जा आवश्यकता को पूरा करने के लिए हम पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध हैं, साथ ही कोयले के माध्यम से राष्ट्र को ऊर्जा आपूर्ति करते रहने के लिए संकल्पित है। आपकी कंपनी उत्पादकता के साथ-साथ सुरक्षा को लेकर भी सचेत है और इसी क्रम में 2024-25 के कैपिटल बजट में 79.25 करोड़ रुपए विभिन्न सुरक्षा गतिविधियों एवं सामग्री प्रबंधन के लिए रखे गए हैं। 28 जुलाई, 2024 को बिस्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर, कोलकाता में आयोजित खान सुरक्षा पुरस्कार (एमएसए) 2024 में, बंकोला क्षेत्र के श्यामसुंदरपुर कोलियरी, ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड को 'कोल बिलोग्राउंड लार्ज' श्रेणी में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

गत वित्तीय वर्ष में कंपनी ने महती उपलब्धियों के साथ कोयला उत्पादन, अधिभार हटाव (OB Removal) एवं कोयला प्रेषण में वृद्धि दर्ज करते हुए लाभ अर्जित किया था। इसे कायम रखना और इसमें नित्य उत्तरोत्तर वृद्धि करते रहना हम सभी का संयुक्त संकल्प है, लक्ष्य है, ज़िम्मेदारी है। वर्तमान वित्तीय वर्ष के प्रथम तिमाही में, ईसीएल ने गत वर्ष की समान अवधि की तुलना में 18.90% की सकारात्मक वृद्धि के साथ 11.70 मि.टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य हासिल किया है। इसके साथ ही कंपनी ने अधिभार हटाव (OB Removal) में 38.70% तथा कोयला प्रेषण में 37.24% की सकारात्मक वृद्धि दर्ज की है। कोयले की गुणवत्ता में सुधार और आयात के विकल्प के लिए उच्च श्रेणी के कोयले की उपलब्धता पर जोर दिया जा रहा है।

साथियों, आप सभी के सहयोग से और राष्ट्र के भविष्यत् ऊर्जा जरूरतों को ध्यान में रखते हुए ईसीएल आने वाले समय में तीन नई योजनाओं को सार्थक करने के पथ पर है जिसमें भनौड़ा वेस्ट ब्लॉक (0.53 एमटी प्रति वर्ष), रंगामाटी-ए भूमिगत खदान (2.88 एमटी प्रति वर्ष) तथा निमचा भूमिगत खदान (2.76 एमटी प्रति वर्ष) शामिल

हैं। बंद पड़ी खदानों को राजस्व साझा के तहत पुनः आरंभ करने की पहल को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष कुआरडीह–तिराट भूमिगत खदान एवं रतीबाती भूमिगत खदान का कार्यादेश दिया जा चुका है तथा मीठापुर (आर) कोलियरी, महाबीर कोलियरी एवं बेनाली कोलियरी के लिए निविदा जारी किया गया है। इसी के साथ ईसीएल ने भूमिगत उत्पादन को प्रोत्साहन देते हुए श्यामपुर–बी कोलियरी, मुगमा क्षेत्र में पेस्ट फिल्ड तकनीक के प्रयोग को शामिल किया है। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत सरकार की क्रय वरीयता नीति और मेक इन इंडिया नीति के अंतर्गत MSEs को प्रोत्साहन देने के लिए कुल 385.03 करोड़ रुपये (जीएसटी सहित) का कार्य 26 MSEs को आवंटित किया गया है।

भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत ईसीएल अपने कमान क्षेत्र में सिंगल यूज़ प्लास्टिक से मुक्ति का अभियान चला रही है तथा स्वच्छता पखवाड़ा के तहत जून माह में विविध जनजागरूकता वाली गतिविधियों को संपन्न किया गया। हम सदैव एक स्वच्छ और हरित परिवेश स्थापित करने के लिए तत्पर रहे हैं। कंपनी पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन के रोकथाम के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में ईसीएल द्वारा राज्य वन विभाग के सहयोग से वर्ष 2023-24 में 160.54 हेक्टेर क्षेत्रफल में 3.08 लाख पौधे लगाए गए हैं तथा वर्ष 2024-25 में 160 हेक्टेर क्षेत्रफल में 3.30 लाख वृक्षारोपण द्वारा वनीकृत क्षेत्र विकसित करने की योजना है। साथ ही, आम जनों के लिए सतग्राम क्षेत्र में मधुवन वाटिका का निर्माण किया गया है और झाँझरा क्षेत्र में एक नया ईको टुरिज़म पार्क निर्माणाधीन है।

कार्बन उत्सर्जन कम करने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए ईसीएल ने भूमिगत कोयला गैसीकरण के लिए कस्ता ब्लॉक में पायलट परियोजना शुरू की है, जो स्वच्छ ऊर्जा के संबंध में कोल इंडिया लिमिटेड की प्रतिबद्धता को मजबूत करती है। स्वच्छ ऊर्जा की पहल को आगे बढ़ते हुए ईसीएल अपने खनन क्षेत्र में कोल बेड मीथेन दोहन के लिए रानीगंज कोलफील्ड में परियोजना आरंभ करने जा रही है जिसकी ज़िम्मेदारी CMPDIL को दी गई है। इसी तरह 'आत्मनिर्भर भारत मिशन' तथा 'कोल से केमिकल मिशन' के अंतर्गत, सरफेस कोयला गैसीकरण के विकास और सिन्थेटिक नैच्रुल गैस के उत्पादन के लिए कोल इंडिया लिमिटेड एवं GAIL द्वारा संयुक्त उपक्रम स्थापित करने के लिए भी समझौता किया गया है जो सोनपुर बाजारी क्षेत्र के पास बहादुरपुर ग्राम में प्रस्तावित है।

राष्ट्र कल्याण और लोक कल्याण ईसीएल के परिचालन के मूल तत्व रहे हैं। ईसीएल अपने निगमित सामाजिक दायित्व (CSR) के माध्यम से परियोजना प्रभावित क्षेत्रों एवं इसके विनिर्दिष्ट दायरे में आधारभूत अवसंरचना विकास परियोजनाएँ, परियोजना प्रभावित युवाओं में कौशल विकास, नारी सशक्तिकरण, स्वास्थ्य सेवा प्रसुविधाएँ, जलापूर्ति इत्यादि में पूर्ण मनोयोग से संलग्न है।

डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आपकी कंपनी ने झारखंड के गोड्डा एवं दुमका जिलों में डिजिटल विद्या योजना में सीएसआर के तहत 63 सरकारी विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम एवं ICT लैब (कंप्युटर लैब) मुहैया करवाने की योजना है, जिसकी

कुल लागत 8.63 करोड़ रुपए होगी। ग्रामीण स्वास्थ सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाने हेतु कंपनी के सीएसआर संचालित 4 मोबाईल मेडिकल वैन अपनी सेवा जन-जन के द्वार तक पहुँचा रही है और आपको यह बताने में हर्ष है कि इस योजना के लाभार्थियों की संख्या अब तक एक लाख के पार पहुँच चुकी है। हम निरंतर प्रयासरत हैं कि, हमारे कमान क्षेत्र के आस-पास के युवाओं के जीविकोपार्जन हेतु उन्हे कौशल विकास हेतु प्रशिक्षण प्रदान करें। इसके लिए हमने CIPET भुवनेश्वर, हल्दिया एवं बालासोर में 361 युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान करवाया है। ITI, सिकटिया, गोड्डा से 152 युवाओं ने प्रशिक्षण हासिल किया जहाँ 5 ट्रेड में प्रशिक्षण प्रदान करवाया गया है। इसी क्रम को बढ़ाते हुए ईसीएल सीएसआर से MSDI (Multi Skill Development Institute) धादका, आसनसोल में खुलवाने की राह पर प्रयासरत हैं जिससे 3 वर्षों में करीब 900 युवा लाभान्वित होंगे।

ईसीएल में डिजिटल डिस्पेंसरी सेंटर बंकोला क्षेत्र, राजमहल क्षेत्र, एसपी माइंस क्षेत्र, मुग्मा क्षेत्र, पांडवेश्वर क्षेत्र, झांझरा क्षेत्र और सोनपुर बज़ारी क्षेत्र में सफलतापूर्वक चल रहा है। जून, 2024 तक परामर्श प्राप्त कुल रोगियों की संख्या 15,545 है। कोयला मंत्रालय के निर्देशानुसार, कंपनी अपने क्षेत्रों में कर्मचारियों को Neurosensory Impact और ENT संबंधित बीमारियों से सुरक्षा के लिए विशेष कैम्प भी आयोजित कर रही है।

साथियों, आज का यह स्वतंत्रता दिवस नई चेतना और ऊर्जा लेकर आया है। आजादी के 77 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर, ईसीएल द्वारा अबतक अर्जित कामयाबी में पूर्ण सहयोग के लिए और समरूप से अधिकतम भविष्यत् सहयोग की प्रत्याशा के साथ मैं, कोयला मंत्रालय, कोल इंडिया लिमिटेड, श्रमिक संगठन के प्रतिनिधियों, पश्चिम बंगाल तथा झारखंड राज्य सरकार एवं उनके प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस प्रशासन, CISF, कंपनी के समस्त श्रमिकों, कर्मचारियों और अधिकारियों के साथ-साथ कंपनी के सभी अंशधारकों, उपभोक्ताओं, आपूर्तिकर्ताओं, मीडियाकर्मीयों, शुभचिंतकों, WIPS तथा शताक्षी महिला मण्डल के प्रति आभार प्रकट करते हुए हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ तथा कंपनी के सभी ऊर्जस्वित कर्मशक्ति संपन्न श्रमिकों, कर्मचारियों एवं अधिकारियों का आह्वान करता हूँ कि अपने-अपने कर्तव्य बोध के साथ आगे आकर स्वर्णिम राष्ट्र के निर्माण में अपनी एवं ईसीएल की महती भूमिका को सिद्ध करें। आपकी सेवा, समर्पण और संकल्प के अमृत से आत्मनिर्भर होगा भारत और सार्थक होंगे ईसीएल के प्रयास।

कर्तव्यपरायण,

जय हिंद !

15.08.2024

(समीरन दत्ता)

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित

স্বাধীনতা দিবস উপলক্ষ্যে

অধ্যক্ষ তথা পরিচালন অধিকর্তার বার্তা

১৫ই আগষ্ট, ২০২৪

ইস্টার্ন কোলফিল্ডস্ লিমিটেড
সাঁকতোড়িয়া, পোঃ ডিসেরগড়, জেলাঃ পশ্চিম বর্ধমান

প্রিয় বন্ধুরা,

ভারতের ৭৮তম স্বাধীনতা দিবসের শুভ দিনে, প্রথমেই আমি ইসিএল পরিবারের পক্ষ থেকে সমস্ত স্বাধীনতা সংগ্রামী এবং শহীদদের প্রতি শ্রদ্ধা জানাই। স্বাধীনতা সংগ্রামে তাঁদের অবিস্মরণীয় অবদান সমগ্র রাষ্ট্র সর্বদা স্মরণ করে। একই সঙ্গে আমি ইসিএল পরিবারের প্রতিটি কর্মী, কর্মচারী, কর্মকর্তা এবং তাদের পরিবারের সদস্যদের স্বাধীনতা দিবসের আন্তরিক শুভেচ্ছা জানাই এবং সকলের সুখ ও সমৃদ্ধি কামনা করি।

ভারতের অর্থনৈতিক পুনরুদ্ধারের গতি ক্রমবর্ধমান মুদ্রাস্ফীতি, সরবরাহ শৃঙ্খল, ভূ-রাজনৈতিক উত্তেজনা ইত্যাদির চ্যালেঞ্জের মুখোমুখি হচ্ছে। এই কারণগুলি নীতি নির্ধারকদের মধ্যে উদ্বেগ বাড়িয়েছে এবং অর্থনীতির প্রত্যাশিত বৃদ্ধিকেও প্রভাবিত করেছে। এই সব কিছুর মাঝে, আমাদের দেশ ভারত বিশ্বের বৃহত্তম অর্থনীতিগুলির মধ্যে একটি হিসাবে আত্মপ্রকাশ করছে, অন্য যে কোনও দেশের তুলনায় দেশের শক্তির চাহিদা বেশি বৃদ্ধি পাচ্ছে। ক্রমবর্ধমান শক্তির চাহিদা পূরণে আমরা সম্পূর্ণ প্রতিশ্রুতিবদ্ধ এবং কয়লার মাধ্যমে দেশে জ্বালানি সরবরাহ অব্যাহত রাখতেও আমরা দৃঢ়প্রতিজ্ঞ। আপনার সংস্থা উৎপাদনশীলতার পাশাপাশি সুরক্ষা সম্পর্কে সচেতন এবং একই ক্রমে, ২০২৪-২৫ সালের মূলধন বাজেটে বিভিন্ন সুরক্ষা কার্যক্রম এবং সুরক্ষা সামগ্রী ক্রয় করার জন্য ৭৯.২৫কোটি টাকা রাখা হয়েছে। ২৮ জুলাই, ২০২৪-এ, কলকাতার বিশ্ব বাংলা কনভেনশন সেন্টারে অনুষ্ঠিত খনি সুরক্ষা পুরস্কার (এমএসএ) ২০২৪-এ, বাঁকোলা ক্ষেত্রের শ্যামসুন্দরপুর কোলিয়ারি, ইস্টার্ন কোলফিল্ডস্ লিমিটেড 'কোল বিলো লার্জ' বিভাগে প্রথম পুরস্কার পেয়েছে।

গত অর্থবছরে কোম্পানি কয়লা উৎপাদন বৃদ্ধি, ওবি অপসারণ (OB Removal) ও কয়লা প্রেরণ করে উল্লেখযোগ্য বৃদ্ধি অর্জন এবং মুনাফা অর্জন করেছে। এটা বজায় রাখা এবং নিরন্তর বৃদ্ধি অব্যাহত রাখা আমাদের সকলের সম্মিলিত সংকল্প, লক্ষ্য ও দায়িত্ব। চলতি অর্থবর্ষের প্রথম ত্রৈমাসিকে ইসিএল গত বছরের একই সময়ের তুলনায় ১৮.৯০% ইতিবাচক বৃদ্ধির সাথে ১১.৭০ মেট্রিক টন কয়লা উৎপাদনের লক্ষ্যমাত্রা অর্জন করেছে। এর সাথে কোম্পানী ওবি অপসারণে (OB Removal) ৩৮.৭০% এবং কয়লা প্রেরণে ৩৭.২৪% ইতিবাচক বৃদ্ধি নিবন্ধন করেছে। আমদানি প্রতিস্থাপনের জন্য কয়লার গুণমান এবং উচ্চ মানের কয়লার প্রাপ্যতার উপর জোর দেওয়া হচ্ছে।

বন্ধুগণ, আপনাদের সকলের সহযোগিতায় এবং রাষ্ট্রের ভবিষ্যতের জ্বালানি চাহিদার কথা মাথায় রেখে ইসিএল আগামী সময়ে তিনটি নতুন প্রকল্পকে অর্থবহ করে তোলার পথে রয়েছে, সেগুলি হল ভানোড়া পশ্চিম ভূগর্ভস্থ খনি (বার্ষিক ০.৫৩ মেট্রিক টন), রাঙ্গামাটি-এ ভূগর্ভস্থ খনি (বার্ষিক ২.৮৮ মেট্রিক টন)

এবং নিমচা ভূগর্ভস্থ খনি (বার্ষিক ২.৭৬ মেট্রিক টন)। রাজস্ব ভাগাভাগির আওতায় বন্ধ খনিগুলি পুনরায় চালু করার উদ্যোগকে এগিয়ে নিয়ে এই বছর কুয়ারডি-তিরাট ভূগর্ভস্থ খনি এবং রতিবাটি ভূগর্ভস্থ খনির জন্য ওয়ার্ক অর্ডার দেওয়া হয়েছে এবং মিঠাপুর (আর) কোলিয়ারি, মহাবীর কোলিয়ারি এবং বেনালি কোলিয়ারির জন্য টেন্ডার জারি করা হয়েছে। সঙ্গে ইসিএল ভূগর্ভস্থ উৎপাদন করার জন্য শ্যামপুর-বি কোলিয়ারি, মুগমা এলাকায় পেস্ট ফিল্ড প্রযুক্তির ব্যবহারও চালু করেছে। ২০২৩-২৪ আর্থিক বছরে, ভারত সরকারের ক্রয় অগ্রাধিকার নীতি এবং মেক ইন ইন্ডিয়া নীতির অধীনে MSEর প্রচারের জন্য ৩৮৫.০৩ কোটি টাকার কাজ (জিএসটি সহ) মোট ২৬ টি MSEকে বরাদ্দ করা হয়েছে।

ভারত সরকারের স্বচ্ছ ভারত মিশনের অধীনে, ইসিএল তার কমান্ড এলাকায় একক-ব্যবহারযোগ্য প্লাস্টিক থেকে মুক্তি পেতে একটি প্রচারাভিযান চালাচ্ছে এবং স্বচ্ছতা পাখওয়াড়ার অধীনে জুন মাসে বিভিন্ন জনসচেতনতামূলক কার্যক্রম পরিচালিত হয়েছিল। সংস্থাটি একটি পরিষ্কার এবং সবুজ পরিবেশ প্রতিষ্ঠার জন্য সর্বদা প্রস্তুত। সংস্থাটি পরিবেশ সুরক্ষা এবং জলবায়ু পরিবর্তন প্রতিরোধে প্রতিশ্রুতিবদ্ধ। এই ধারাবাহিকতায় ইসিএল রাজ্য বন বিভাগের সহযোগিতায় ২০২৩-২৪ সালে ১৬০.৫৪ হেক্টর এলাকায় ৩.০৮ লক্ষ চারা রোপণ করেছে এবং ২০২৪-২৫ সালে ১৬০ হেক্টর জমিতে ৩.৩০ লক্ষ গাছ লাগিয়ে বনাঞ্চলের বিকাশের পরিকল্পনা রয়েছে। এছাড়াও সাধারণ মানুষের জন্য সাতগ্রাম এলাকায় মধুবন বাটিকা নির্মাণ করা হয়েছে এবং ঝাঁঝরা এলাকায় একটি নতুন ইকো ট্যুরিজম পার্ক নির্মাণাধীন রয়েছে।

কার্বন নিঃসরণ হ্রাস করার দিকে একটি পদক্ষেপ গ্রহণ করে, ইসিএল ভূগর্ভস্থ কয়লা গ্যাসীকরণের জন্য কাস্তা ব্লকে একটি পাইলট প্রকল্প চালু করেছে, যা পরিষ্কার শক্তির প্রতি কোল ইন্ডিয়া লিমিটেডের প্রতিশ্রুতিকে শক্তিশালী করেছে। ক্লিন এনার্জি উদ্যোগকে এগিয়ে নিয়ে ইসিএল তার খনি এলাকায় কয়লাস্তরে মিথেন উত্তোলনের জন্য রানিগঞ্জ কয়লাক্ষেত্রে একটি প্রকল্প শুরু করতে চলেছে, যার দায়িত্ব CMPDILকে দেওয়া হয়েছে। একইভাবে, 'আত্মনির্ভর ভারত মিশন' এবং 'কোল টু কেমিক্যাল মিশন'-এর অধীনে, ভূপৃষ্ঠের কয়লা গ্যাসিকরণ এবং কৃত্রিম প্রাকৃতিক গ্যাস উৎপাদনের জন্য কোল ইন্ডিয়া লিমিটেড এবং GAIL দ্বারা যৌথ উদ্যোগ স্থাপনের জন্যও একটি চুক্তি স্বাক্ষরিত হয়েছে, যা সোনপুর বাজারী এলাকার নিকটবর্তী বাহাদুরপুর গ্রামে প্রস্তাবিত করা হয়।

রাষ্ট্র কল্যাণ এবং জনকল্যাণ ইসিএল-এর কার্যক্রমের মূল উপাদান। ইসিএল তার কর্পোরেট সোশ্যাল রেসপন্সিবিলিটি (সিএসআর) এর মাধ্যমে পরিকাঠামো উন্নয়ন প্রকল্প, প্রকল্প প্রভাবিত যুবকদের দক্ষতা উন্নয়ন, নারীর ক্ষমতায়ন, স্বাস্থ্যসেবা সুবিধা, জল সরবরাহ ইত্যাদিতে সক্রিয়ভাবে জড়িত।

ডিজিটাল শিক্ষার প্রচারের জন্য, আপনার সংস্থা ঝাড়খণ্ডের গোড্ডা এবং দুমকা জেলায় ডিজিটাল বিদ্যা প্রকল্পের অধীনে ৬৩ টি সরকারী স্কুলে স্মার্ট ক্লাসরুম এবং ICT ল্যাব (কম্পিউটার ল্যাব) সরবরাহ করার পরিকল্পনা করেছে, যার জন্য

মোট ৮.৬৩ কোটি টাকা ব্যয় হবে। গ্রামীণ স্বাস্থ্য পরিষেবার প্রাপ্যতা বাড়ানোর জন্য, সংস্থার CSR পরিচালিত ৪টি মোবাইল মেডিকেল ভ্যান প্রতিটি মানুষের দোরগোড়ায় তাদের পরিষেবা জনগণের কাছে পৌঁছে দিচ্ছে এবং আমরা আপনাকে জানাতে পেরে আনন্দিত যে এই প্রকল্পের সুবিধাভোগীর সংখ্যা এখনও পর্যন্ত এক লক্ষ ছাড়িয়েছে। আমাদের কমান্ড এরিয়ার আশেপাশের যুবকদের জীবিকা নির্বাহের জন্য দক্ষতা উন্নয়ন প্রশিক্ষণ দেওয়ার চেষ্টা করছি । এর জন্য আমরা CIPET ভুবনেশ্বর, হলদিয়া এবং বালাসোরে ৩৬১ জন যুবক-যুবতীকে প্রশিক্ষণ দিয়েছি। ITI, সিকটিয়া, গোড্ডা থেকে ১৫২ জন যুবক-যুবতীকে প্রশিক্ষণ দেওয়া হয়েছে, যেখানে ৫টি ট্রেডে প্রশিক্ষণ দেওয়া হয়েছে। একই ধারাবাহিকতা অব্যাহত রেখে, ইসিএল সিএসআর থেকে MSDI (Multi Skill Development Institute) ধাদকা আসানসোলে খোলার চেষ্টা করছে, এর জন্য তিন বছরে প্রায় ৯০০ যুবক উপকৃত হবে ।

ইসিএলের ডিজিটাল ডিসপেনসারি সেন্টার বাঁকোলা এলাকা, রাজমহল এলাকা, এস পি মাইনস এলাকা, মুগমা এলাকা, পাণ্ডবেশ্বর এলাকা, ঝাঁঝরা এলাকা এবং সোনপুর বাজারী এলাকায় সফলভাবে চলছে। ২০২৪ সালের জুন পর্যন্ত মোট রোগীর সংখ্যা ১৫ হাজার ৫৪৫ জন। কয়লা মন্ত্রকের নির্দেশ অনুসারে, সংস্থাটি তার অঞ্চলে Neurosensory Impact এবং ENT সম্পর্কিত রোগ থেকে কর্মীদের সুরক্ষার জন্য বিশেষ শিবিরের আয়োজন করছে।

বন্ধুগণ, আজকের স্বাধীনতা দিবস নতুন চেতনা ও শক্তি নিয়ে এসেছে। স্বাধীনতার ৭৭ বছর পূর্তি উপলক্ষে ইসিএল দ্বারা অর্জিত সাফল্যে পূর্ণ সহযোগিতা এবং ভবিষ্যতের সর্বোচ্চ সহযোগিতার প্রত্যাশায় আমি, কয়লা মন্ত্রণালয়, কোল ইন্ডিয়া লিমিটেড, ট্রেড ইউনিয়নের প্রতিনিধি, পশ্চিমবঙ্গ ও ঝাড়খন্ড রাজ্য সরকার এবং তাদের প্রশাসনিক কর্মকর্তা, পুলিশ প্রশাসন, সী.আই.এস.এফ., কোম্পানির সকল শ্রমিক, কোম্পানির সকল শেয়ারহোল্ডার, ভোক্তা, সরবরাহকারী, মীডিয়া কর্মী, শুভাকাঙ্ক্ষী এবং শতক্ষী মহিলা মন্ডলকে আন্তরিক অভিনন্দন জানাই এবং কোম্পানির সকল উদ্যমী কর্মী, কর্মচারী ও কর্মকর্তাদের তাদের দায়িত্ববোধ নিয়ে এগিয়ে আসার এবং একটি সোনালী রাষ্ট্র গঠনে ইসিএলের গুরুত্বপূর্ণ ভূমিকা পালন করার আহ্বান জানাই। আপনাদের সেবা, নিষ্ঠা এবং সংকল্পের অমৃতরূপে ভারত আত্মনির্ভরশীল হবে এবং ইসিএল-এর কঠোর পরিশ্রম সার্থক হবে।

জয় হিন্দ !

শুভকামনা সহ আপনাদের,

১৫.০৮.২০২৪

(সমীরণ দত্ত)

অধ্যক্ষ তথা পরিচালন অধিকর্তা

ইস্টার্ন কোলফিল্ডস্ লিমিটেডের জনসংযোগ বিভাগ দ্বারা প্রকাশিত